दिखा क्रिएटिविटी का नायाब नमूना

द संस्कार वैली स्कूल (TSVS) के आयोजन फाउंडर्स कल्चरल इवनिंग में बच्चों ने लगाई प्रदर्शनी, हुआ नुक्कड़ नाटक का मंचन

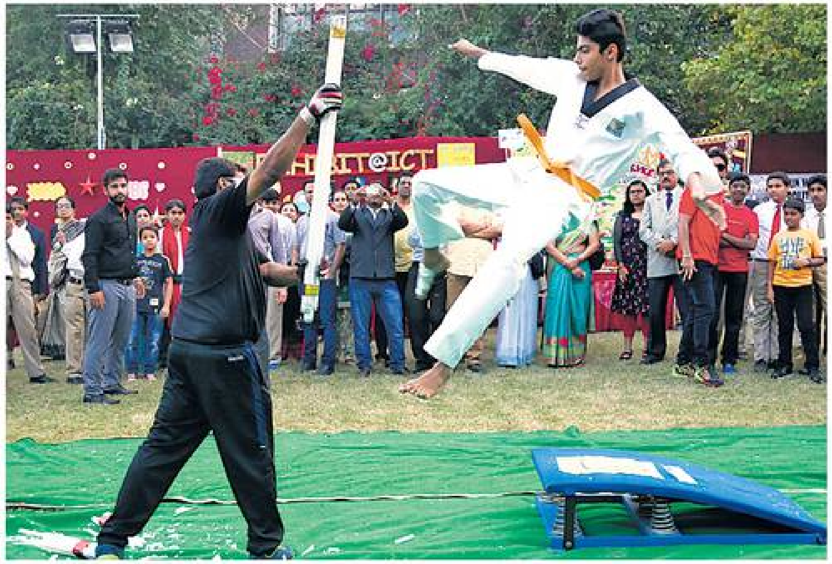

STUDENT'S ACTIVITY @ TSVS

सिटी रिपोर्टर • बच्चों की क्रिएटिविटी और सोच का नायाब नमूना देखने को मिला एग्जीबिशन-2015 में। द संस्कार वैली स्कूल में फाउंडर्स कल्चरल इवनिंग में इसे एग्जिबिट किया गया, जो एजुकेशनल होने के साथ-साथ इंफोटेनमेंट पर बेस्ड रही। अलग-अलग क्लासेस के स्टूडेंट्स का आर्ट, क्राफ्ट और साइंस वर्क मिडिल लॉन में डिस्प्ले किया गया। वहीं, स्टूडेंट्स की बनाई पेंटिंग्स भी खूब रहीं, जिसमें उन्होंने म्यूरल वर्क, पेपरमेशी वर्क, एक्रेलिक पेंटिंग में फिगरेटिव, एब्सट्रेक्ट और नेचर पेंटिंग को पेश किया। इसके बाद साइंस रिलेटेड मॉडल्स भी प्रस्तुत किए। इसके अलावा स्कूल में सीखी अलग-अलग तरह की एंब्रॉइडरी और स्ट्रिंग आर्ट को भी स्टूडेंट्स ने पेश किया।

पेरेंट्स ने खेले एंटरटेनमेंट गेम्स

फन एलिमेंट जोड़ने के लिए स्टूडेंट्स ने विजिटर्स के लिए कुछ गेम्स भी प्लान किए, जिसमें चेस गेम में चैक और मेट करके प्राइज विनिंग का मौका भी था। वहीं ट्रेजर हंट के जरिए रेत में से सही चाबी ढूंढ कर लॉक ओपन करना था, पेरेंट्स ने इस गेम को काफी एंजॉय किया।

नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

स्टूडेंट्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गर्ल एजुकेशन को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। काफी अच्छे डायलॉग्स बोलते हुए नाटक में चिड़िया न बन जाए ये पिंजरे में बंद करो गीत गाया। गौरतलब है कि द संस्कार वैली स्कूल द्वारा गर्ल चाइल्ड एजुकेशन के लिए संस्कार विद्या निकेतन स्कूल शुरू किया गया है, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बालिकाएं संस्कार वैली स्कूल कैंपस में ही पढ़ाई करती हैं।

विज़िटर्स को दिखाए पक्षियों के पंख

बर्ड वॉचिंग कैंप के दौरान स्टूडेंट्स द्वारा एकत्रित किए पक्षियों के पंख भी एग्जीबिशन में प्रस्तुत किए गए। उस दौरान की गई फोटोग्राफी और पक्षियों के डाटा को दिखाया।

सलाद का ताजमहल

फूड स्टॉल पर लगभग 30 स्टूडेंट्स की टीम ने ताजे फ्रूट सलाद और चटपटे सलाद तैयार किए। कुक बने स्टूडेंट्स ने खजूर पान स्वीट, कटोरी चाट, कॉकटेल और सलाद से ताजमहल बनाया। पेरेंट्स ने बच्चों की बनाई इन डिशेज को काफी पसंद किया।

जिम्नास्टिक और फायर रिंग परफॉर्मेंस

26 स्टूडेंट्स द्वारा जिम्नास्टिक परफॉर्मेंस दी गई, जिसमें एरोबिक्स, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक, हूला-हूप, फायर रिंग और पेपर रिंग से कूदती हुई प्रस्तुतियां हुईं। यह परफॉर्मेंस इतनी एडवेंचरस थी कि पेरेंट्स इन्हें एकटक देखते रहे।